PG/IVS/HIN/404(A &B)/24
(New)

M.A. 4th Semester Examination, 2024

HINDI

PAPER—HIN-404(A & B)(New)

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

HIN-404A(New)

(*प्रेमचन्द*)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

(क) 'गबन' उपन्यास की सार्थकता पर विचार कीजिए। गबन के किन्हीं दो स्त्री पात्रों के नाम लिखिए।

(ख) 'सवा सेर गेहूं' कहानी का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन कीजिए। पाठ्यक्रम के अतिरिक्त प्रेमचंद की किन्हीं दो कहानियों के नाम लिखिए।

(ग) प्रेमचन्द के साहित्य सम्बन्धी विचारों पर प्रकाश डालिए। प्रेमचन्द का वास्तविक नाम बताइए। उर्दू में वे किस नाम से लिखते थे ?

(घ) 'कर्बला' नाटक की नाट्यकला के आधार पर समीक्षा कीजिए। यह-नाटक किस वर्ष प्रकाशित हुआ ? इसके किसी एक पात्र का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* का यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4

(क) सूरदास की चारित्रिक विशेषताओ पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'ठाकुर का कुँआ' की समीक्षा कीजिए।

(ग) ग्रामीणों का यह छोटा-सा दल अपनी विपन्नता से बेखबर संतोष और धैर्य में चला जा रहा था। बच्चो के लिए नगर की सभी चीजें अनोखी थी। जिस चीज की ओर ताकते, ताकते ही रह जाते और पीछे से हार्न की आवाज हो ने पर भी न चेतते।
— की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(घ) कभी म्लेच्छों से भलाई की आशा न रखनी चाहिए। कौआ कौओं के साथ मिलेगा। कमीना जब करेगा कमीनापन, इसे कोई पूछता न था, मंदिर में झाड़ु लगा रहा था। देह पर कपड़े का तार भी न था, हमने इसका सम्मान किया, पशु से आदमी बना दिया, फिर भी अपना न हुआ।

— की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(ङ) प्रेमचंद की नाट्य-शैली पर टिप्पणी कीजिए।

(च) पचने को पच जायेगी, पहले मिले तो। मूछों पर ताव देकर भोजन किया और आराम से सोए, तुम्हें लकड़ी फाड़ने का हुक्म लगा दिया। जमींदार भी कुछ खाने को देता है। हाकिम भी बेगार लेता है, तो थोड़ी मजूरी देता है। यह उनसे भी बढ़ गये, उस पर धर्मात्मा बनते हैं।

—का भाव स्पष्ट कीजिए।

[Internal Assessment — 10 Marks]

HIN-404B(New)

(निराला)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

(क) छायावादी काव्यगत प्रवृत्तियों के आधार पर निराला की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'हमारे साहित्य का ध्येय' निबंध के आधार पर निराला की साहित्य संबंधी अवधारणा पर विचार कीजिए ।

(ग) 'कुल्लीभाट' उपन्यास का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(घ) पठित कविताओं के आधार पर निराला की प्रगतिशील चेतना पर प्रकाश डालिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4

(क) "अबे सुन बे, गुलाब
भूल मत जो पाई खुशबू, रंगोआब
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट
डाल पर इतरा रहा केपाटलिस्ट ।"
—इसकी सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(ख) 'भक्त और भगवान' कहानी का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) है अमानिशा, उगलता गगन धन अंधकार;
खो रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध है पवन-चार
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल
भूधर ज्यों ध्यान-मग्न; केवल जलती मशाल
ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

(घ) निराला की काव्य-भाषा पर चर्चा कीजिए ।

(ङ) "राजे ने अपनी रखवाली की;
किला बनाकर रहा;
बड़ी-बड़ी फौजें रखीं
चापलूस कितने सामंत आये
मतलब की लकड़ी पकड़े हुए ।"
—का भावार्थ लिखिए ।

(च) "अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा,
श्याम तृण पर बैठने को, निरुपमा
बह रही है हृदय पर केवल अमा;
मैं अलक्षित हूँ, यही
कवि कह गया है ।"
—सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

[Internal Assessment — 10 Marks]